Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

गावों में वायरल बुखार से पीड़ित मरीजों की बढ़ने लगी तादात

रोजाना ओपीडी पहुंच रही है छह सौ पचास के पार

दिक्कत

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद में तेजी से वायरल बुखार फैल रहा है। बता दें कि सीमांत जनपद में वायरल बुखार के मरीजों की बढ़ती तादात के चलते जिले के अस्पतालों में मरीजों के पैर रखने तक की जगह नही है। वही रोजाना ओपीडी छह सौ पचास के पार पहुंच रही है। जिले में पिछले दो सप्ताह के भीतर वायरल बुखार से पीड़ित मरीजों की तादात में बढ़ोतरी देखी जा सकती है। जिला अस्पताल के वरिष्ठ फिजीसियन एक दिन में नब्बे से अधिक मरीजों को देख रहे है। जिला अस्पताल के फिजीसियन ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में जिले के अस्पतालों में वायरल बुखार से पीड़ित मरीजों की तादात में भारी बढ़ोतरी हुई है। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ में पारा चढ़ते ही मौसमी वायरल बुखार का

प्रकोप तेजी से बढ़ने लगा है। पांच लाख की आबादी वाले सीमांत जनपद के जिला बीडी अस्पताल में वर्तमान में 120 बैड का संचालन किया जा रहा है।

जानाकारी के मुताबिक सीमांत जनपद में पिथौरागढ़ के अतिरिक्त पड़ोसी देश नेपाल से भी खासी तादात में मरीज उपचार के लिए दिखाने आते है। एकदम से गर्मी के बढ़ते ही मरीजां की तादात में खासा बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। एक ओर जहां शीतकाल में ओपीडी ना के बराबर रहती है वहीं माह के अप्रैल प्रथम सप्ताह में ओपीडी छह सौ पचास के आसपास पहुंच रही है। वर्तमान में अधिकांश मरीज वायरल बुखार और अन्य सीजनल बीमारी से पीड़ित चल रहे है।

अस्पताल प्रबंधन के सामने अस्पताल में भर्ती मरीजों के लिए बेड की समस्या आने लगी है। जिले के सबसे बड़े अस्पताल में इन दिनों वायरल बुखार पीड़ित मरीजों की तादात ने जिला अस्पताल प्रबंधन के सामने खासी चुनौती खड़ी कर डाली है। सीमांत जनपद में कोविड मरीजों के लिए तैयार किया गया वार्ड अस्पताल प्रबंधन ने वर्तमान में खाली कर दिया है। इस वार्ड में वायरल बुखार से पीड़ित मरीजों को अस्पताल प्रबंधन भर्ती कर रहा है। गर्मी के मौसम में वायरल बुखार व कान नाक,गले की बीमारी से पीडित मरीजों की अस्पताल में भीड़ लगी हुई देखी जा रही है।

वही इस बारे में वरिष्ठ फिजीसियन डांक्टर आरएस कुंवर ने बताया कि वर्तमान में वे नब्बे से अधिक मरीजों को देख रहे है। जिले में वायरल बुखार के मरीजों की अप्रैल माह के प्रथम सप्ताह में खासी बढ़ोतरी हुई है। डांक्टर कुंवर ने कहा कि वे मरीजों से बाहरी चीजों का खासतौर पर परहेज करने का आग्रह कर रहे है।

न्यूज डायरी

उत्तराखंड में खेतों के बीच कराई गई हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

संवाददाता काशीपुर। ऊधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में शुक्रवार दोपहर में कुंडेश्वरी चौकी क्षेत्र के ग्राम ढकिया नंबर दो में हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जिसका वीडियो तेजी से इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। जिसमें दिख रहा है हेलीकॉप्टर की खेतों के बीच मौजूद रास्ते पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। हेलीकॉप्टर सवार सुरक्षित बताए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कि तकनीकी खराबी के चलते हेलीकॉप्टर को खेतों के बीच बनी सड़क पर उतारना पड़ा। अचानक उतरे हेलीकॉप्टर को देखने के लिए ग्रामीणों की मौके पर भीड़ लग गई। वहीं मामले में प्रशासन की तरफ से किसी प्रकार की ऐसी जानकारी नहीं मिलने की बात कही जा रही है।

दायकिन ने जापानीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस का किया उदघाटन

संवाददाता देहरादून। दायकिन एयर कंडीशनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने अपने अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत नीमराना, राजस्थान परिसर में दायकिन जापानीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैन्युफैक्चरिंग एक्सीलेंस (डीजीआईएमई) का उद्घाटन किया। डीजीआईएमई का उद्देश्य छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की पेशकश करना है जिसमें उनके कार्यकाल के दौरान ऑन–द–जॉब प्रशिक्षण, एचवीएसी तकनीकी ज्ञान, सॉफ्ट–स्किल प्रशिक्षण और जापानी निर्माण प्रक्रियाओं के प्रशिक्षण के साथ एक संयुक्त पाठ्यक्रम शामिल है। सभी प्रशिक्षुओं को इस कार्यक्रम के पूरा होने पर डीजीआईएमई सर्टीफिकेशन प्राप्त होगा। हमारा लक्ष्य 2025 तक 1,50,000 भारतीय युवाओं को जापानी विनिर्माण प्रक्रियाओं और सिद्धांतों पर प्रमाणित करना है।

यूनीडायरेक्शनल सोलर वाटर पंप' के लिए मिला अपना पहला पेटेंट

संवाददाता देहरादून। भारत में ऊर्जा कुशल पंपों और मोटर निर्माण करने वाली अग्रणी कंपनी, शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड को उनके 'ग्रिड से जुड़े उर्जा निर्माण के लिए यूनीडायरेक्शनल सोलर वाटर पंप' के नवाचार के लिए उनका पहला पेटेंट मिला है, जो की कंपनी के लम्बे इतिहास में एक बेहद गौरव का क्षण है। पेटेंट एक्ट, 1970 के प्रावधानों के मुताबिक यह पेटेंट फाइल होने के 20 साल बाद तक कंपनी के नाम पर वैध रहेगा। अपने पहले पेटेंट के साथ, शक्ति पंप्स ने अपने नवाचार की काबिलियत और दक्षतम उत्पादों को बनाने की अपनी काबिलियत को सिद्ध करते हुए भारत के सिंचाई क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने के प्रति अपने कर्तव्य का उदाहरण दिया है।

चीन सीमा को जोड़ने वाला सोबला–दारमा मार्ग खुला

संवाददाता धारचूला (पिथौरागढ़)। चीन सीमा को जोडने वाला तवाघाट–सोबला–ढाकर मार्ग शुक्रवार को छह माह बाद यातायात के लिए खुल गया। इससे अग्रिम चौकियों पर तैनात सुरक्षा बलों के साथ ही सीमांत के दारमावासियों को भी बड़ी राहत मिली।

पिथौरागढ़ जिले के धारचूला को चीन सीमा से जोडने के लिए सबसे पहले इसी मार्ग का निर्माण किया गया था। यह सामरिक रूप से अति महत्वपूर्ण है। इसे स्थानीय लोगों की जीवनरेखा भी कहते हैं। वर्ष 2021 में ग्रीष्मकालीन माइग्रेशन के दौरान अप्रैल में मार्ग खुला। लेकिन जैसे ही उच्च हिमालयी ग्रामीण गांवों में पहुंचे तो प्री मानसून बारिश से मलबा आने से मार्ग बंद हो गया। जुलाई में भारी बारिश से कंज्योती में पुल बह गया। सोबला से आगे मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस बीच अक्टूबर में ही दारमा में भारी हिमपात के कारण ग्रामीण गांवों में ही फंस गए। इस कारण उन्हें हेलीकाप्टर से धारचूला लाना पड़ा। नवंबर में जैसे तैसे मार्ग खोला गया। ग्रामीणों के जानवर और वाहन निकाले गए। लेकिन चंद दिनों बाद फिर मार्ग बंद हो गया।

अब उच्च हिमालयी गांवों में रहने वालों के ग्रीष्मकालीन माइग्रेशन का समय आया है। 15 अप्रैल से 13 गांवों के ग्रामीणों का माइग्रेशन होना है। मार्ग बंद होने से ग्रामीण परेशान थे। जिला प्रशासन ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ मिलकर शुक्रवार को मार्ग खोल दिया।

हिजामं कार्यकर्त्ताओं ने किया थाने पर प्रदर्शन

संवाददाता झबरेड़ा। हिदू जागरण मंच (हिजामं) के कार्यकर्त्ताओं ने शुक्रवार को झबरेड़ा थाने पर प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस पर आरोप लगाया कि वह लूट, जान से मारने का प्रयास के मामले में गिरफ्तारी नहीं कर रही है। हिदू जागरण मंच के प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण सिंह बोरा के नेतृत्व में कार्यकर्त्ता नारेबाजी करते हुए झबरेड़ा थाना पहुंचे और वहां पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि 21 मार्च को कोटवाल आलमपुर में एक युवक अपने ही संप्रदाय की युवती से शादी करने के लिए आया था। जबकि युवक पहले ही पंजाब की एक दूसरे संप्रदाय की युवती से धोखा देकर शादी कर चुका है और बिना तलाक दिए दूसरी शादी कर रहा था। युवती ने पंजाब से यहां पहुंचकर शादी रुकवा दी थी। इस दौरान हिदू जागरण मंच के कार्यकर्त्ता भी वहां पर पहुंचे थे।

उद्यान एवं कृषि विभाग के एकीकरण का खुलकर विरोध

संवाददाता रानीखेत। उत्तराखंड कृषि भूषण से सम्मानित एप्पलमैन गोपाल उप्रेती के बाद अब विधायक डा. प्रमोद नैनवाल ने चौबटिया स्थित राज्य के उद्यान निदेशालय में निदेशक के न बैठने का मुद्दा उठाया है। उन्होंने विभागीय मंत्री से मिल निदेशक व अन्य कार्मिकों को देहरादून के बजाय किसानहित में मूल तैनाती स्थल चौबटिया भेजने पर जोर दिया। साथ ही उद्यान एवं कृषि विभाग के एकीकरण का खुलकर विरोध किया। कहा कि प्रदेश में बागवानी आय का ठोस जरिया है। एकीकरण न्यायसंगत नहीं है। कई योजनाएं ठप होने से बागवानों को बड़ा नुकसान होगा। उन्होंने पलायन पर रोक व

रोजगार को चौबटिया उद्यान व उद्यानिकरण को बढ़ावा देने की भी वकालत की।

विधायक डा. नैनवाल ने कृषि मंत्री से भेंट कर पत्र दिया। कहा कि 1952–53 में तत्कालीन सीएम पं. जीबी पंत ने बागवानी विकास व रोजगार को चौबटिया में उद्यान निदेशालय बनवाया व शोध संस्थान खुलवाया। यहां सेब व अन्य पर्वतीय फलों और फूलों की उन्नत किस्में तैयार की गईं। हिमाचल आदि राज्यों के साथ विदेशों को पौध भेजी जाती थी। इससे रोजगार व राज्य की आय बढ़ी। राज्यगठन बाद शोध संस्थान जीबी पंत कृषि विवि पंतनगर के अधीन चला गया। इससे रानीखेत क्षेत्र को बड़ा नुकसान हुआ।

विधायक ने निदेशालय में निदेशक के न बैठने का मुद्दा उठा नियमित उपस्थित रहने को निर्देश जारी करने की मांग रखी। कहा कि कृषि व उद्यान का एकीकरण होने से 319 सचल दल, 670 न्याय पंचायतें व 95 ब्लाकस्तरीय उद्यान केंद्र प्रभावित होंगे। छोटे बागवानों को योजनाओं का लाभ मिलना बंद हो जाएगा। उन्होंने 264 एकड़ में फैले चौबटिया उद्यान को आजीविका से जोड़ने की जरूरत भी बताई। मंत्री ने कारगर कदम उठाने का आश्वासन दिया।

जाएका ने प्रदान किया 413 करोड़ रुपये का ओडीए ऋण

संवाददाता देहरादून। उत्तराखंड एकीकृत बागवानी विकास परियोजना के लिए जापान इंटरनेशनल कॉपरेशन एजेंसी (जाएका) ने 6401 मिलियन येन (लगभग 413 करोड़ रु) का जापान आधिकारिक विकास सहायता (ओडीए) ऋण उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना का मकसद बागवानी को मुनाफेदार बनाना और किसानों की आमदनी में सुधार करना है। इसके तहत, बागवानी की फसलों के उत्पादन, प्रसंस्करण तथा विपणन के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर विकास और क्षमता बढ़ाने पर खासतौर से जोर दिया जाएगा। इस तरह, यह ऋण उत्तराखंड में आर्थिक और सामाजिक विकास के क्षेत्रों में योगदान करेगी। इस परियोजना के माध्यम से, जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए अनुकूलन उपायों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। ऋण समझौते पर रजत कुमार मिश्रा, अतिरिक्त सचिव, आर्थिक मामलों का विभाग, वित्त मंत्रालय तथा सायतो मित्सुनोरी, प्रमुख प्रतिनिधि, जाएका इंडिया ने हस्ताक्षर किए।